



इंजिन निर्माणी आवडी का त्रैमासिक समाचार पत्र

वर्ष : 25

जनवरी 2024

अंक : 97

गांधी जयंती



दिनांक 02.10.2023 को महात्मा गांधी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में निर्माणी में गांधी जयंती मनायी गयी। श्री राजीव माथुर, मुख्य महाप्रबंधक, अन्य अधिकारीगण, जेसीएम, कार्यसमिति के सदस्यगण, यूनियन एवं असोसिएशन के प्रतिनिधिगण तथा निर्माणी के कर्मचारीगण बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

इस अवसर पर हमारे प्रधानमंत्री के निर्देशानुसार गांधी जयंती को स्वच्छ भारत अभियान के रूप में मनाया गया। सर्वप्रथम स्वच्छता संबंधी शपथ

तमिल, हिन्दी और अंग्रेजी में

दिलाई गई। श्री राजीव माथुर, मुख्य महाप्रबंधक, श्री हरेकृष्ण बेहेरा, महाप्रबंधक/एचआर, क्यूसी एवं प्लानिंग, श्री एल.वी.सेल्वम, महाप्रबंधक/ओपीएस, कार्यसमिति के उपाध्यक्ष, सचिव/कार्यसमिति, यूनियन एवं एसोसियेशन के प्रतिनिधियों ने महात्मा गांधी के फोटो पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर जेसीएम, कार्यसमिति, एवं यूनियन तथा एसोसियेशन के प्रतिनिधियों ने भाषण दिए। मुख्य महाप्रबंधक ने अपने अध्यक्षीय भाषण में महात्मा गांधी के स्वच्छ भारत का सपना तथा हमारे प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन आदि पर प्रकाश डाला।



निर्माणी प्रांगण में स्वच्छ भारत अभियान को कार्यावित करने के लिए अधिकारियों, कर्मचारियों एवं सभी प्रशिक्षुओं द्वारा स्वच्छता कार्य किया गया।

कार्यप्रबंधक/प्रशासन के धन्यवाद ज्ञापन के साथ समारोह संपन्न हुआ।

संपादकीय.....

हर्ष के साथ सूचित किया जाता है कि इस नये साल के साथ इंजिन निर्माणी की गृह पत्रिका “ इंजिन समाचार “पच्चीसवें चौबीसवें साल में पदार्पण कर रही है । कर्मचारियों को तथा सह निर्माणियों को इंजिन निर्माणी की गतिविधियों की जानकारी कराने तथा राजभाषा के व्यापक प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से “इंजिन समाचार” का प्रकाशन जनवरी, 2000 से आरंभ किया गया था । अब तक इसके 96 अंक नियमित समय पर प्रकाशित किये जा चुके हैं । इस 97वें अंक के प्रकाशन के साथ इस गृह समाचारपत्र की रजत जयंती का शुभारंभ किया जा रहा है ।

किसी भी सफलता की सीमा नहीं होती, उन्नति का पथ ऐसा है कि उसकी आकाश ही सीमा है । इसलिए जितना भी हमने हासिल किया है उतने से हम संतुष्ट नहीं है क्योंकि राजभाषा विभाग द्वारा जो लक्ष्य निर्धारित किया गया है हमें केवल उन्हीं लक्ष्यों को हासिल करने का प्रयास किया है । मगर राजभाषा के कार्यान्वयन का दायरा काफी विशाल है । हमारी निगाह निर्माणी के हर कोने में राजभाषा के कार्यान्वयन की दृष्टि से होनी चाहिए और जहाँ इसका कार्यान्वयन शेष है वहाँ पर कार्रवाई करनी चाहिए । सभी कर्मचारियों द्वारा राजभाषा हिन्दी में कार्य करने के उद्देश्य पर नज़र डालें ताकि वे अपने तहेदिल से राजभाषा का समर्थन कर सकें और राजभाषा के कार्यान्वयन में संपूर्ण योगदान दे पाएँ ।

राजभाषा का हमारा सफर कभी रुकने वाला नहीं है । हमें आगे भी इसकी सुदूर यात्रा करनी होगी । अतः सूचना प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी के अत्याधुनिक काल में उन क्षेत्रों में हो रहे परिवर्तन के अनुरूप राजभाषा को भी नित्य नई नसैनी पर चढ़ा देना हमारा दायित्व है । आप सभी से अनुरोध है कि अपना सभी कार्यालयीन कामकाज़ राजभाषा हिन्दी में करें और अपने देश का गौरव बढ़ाएँ ।

गुणता माह का आयोजन

प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी नवंबर माह को “गुणता माह” के रूप में मनाया गया । दिनांक 01.11.2023 को पूर्वा. 09.00 बजे “गुणता माह” का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया । श्री राजीव माथुर, मुख्य महाप्रबंधक ने गुणता का ध्वज फहराकर समारोह का उद्घाटन किया । स्वागत भाषण के उपरांत गुणता नीति को तमिल, हिन्दी एवं अंग्रेज़ी में पढ़ा गया ।

इस अवसर पर श्री राजीव माथुर, मुख्य महाप्रबंधक ने अपने संबोधन में गुणता के महत्व के बारे में बताया तथा जोर दिया कि निर्माणी में हमें गुणता माह को केवल परंपरा के रूप में नहीं बल्कि मन से मनाना है । आने वाले वर्षों में हमें गुणता पर जोर देना चाहिए । निर्माणी के इंजिनों का उत्पादन करते समय त्रुटियों का कारण खोजें, उनका विश्लेषण करें तथा उन्हें दूर करने का प्रयास करें । हमने संख्यात्मक रूप में विकास कर लिया है, आगे हमें गुणता के क्षेत्र में आगे बढ़ना है । “गुणता माह” के दौरान विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजित की गई ।

गुणता माह के दौरान कर्मचारियों में गुणता के प्रति जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से प्रशिक्षण कक्षाओं का आयोजन किया गया ।

दिनांक 30.11.2023 को गुणता माह का समापन समारोह क्यूसी भवन में आयोजित किया गया । श्री राजीव माथुर, मुख्य महाप्रबंधक ने सभी पुरस्कार विजेताओं को हार्दिक बधाई दी ।

धन्यवाद ज्ञापन के साथ समारोह संपन्न हुआ ।

विशिष्ट अतिथियों का आगमन



श्री बी. उदयकुमार, भा.आ.नि.से.

दि. 31.10.2023

उप महानिदेशक
रक्षा फील्ड यूनिट, आवडी

ईएफए आना हमेशा यहां बिताए गए समय को संजोने का एक शानदार अनुभव होता है। सुना है कि ईएफए असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और इस अवसर पर मैं श्री राजीव माथुर, मुख्य महाप्रबंधक को धन्यवाद देना चाहता हूँ और अधिकारियों, कर्मचारियों और कामगारों की टीम को शुभकामनाएं देता हूँ।



श्री टी. नटराजन, भा.प्र.से.

दि.03.11.2023

अपर सचिव/रक्षा उत्पादन
रक्षा उत्पादनविभाग, रक्षा मंत्रालय, नईदिल्ली

यह कारखाना उच्च प्रौद्योगिकी उन्मुख आवश्यकताओं का निर्माण और आपूर्ति कर रहा है। लोगों की तकनीकी क्षमताएँ बेहद प्रभावशाली हैं। भविष्य में आपको और अधिक सफलता की कामना करता हूँ।



ले.जनरल तुमुल वर्मा, एसएम, वीएसएम

दि.08.12.2023

महानिदेशक ईएमई एवं वरिष्ठ कर्नल कमांडर
रक्षा मंत्रालय (सेना) मुख्यालय, नई दिल्ली

ईएफए की एक उत्कृष्ट यात्रा, यह मेरे लिए खुशी की बात थी और मैंने लचीली विनिर्माण प्रणाली को विभिन्न मशीनिंग संचालन करते हुए देखा। एएफवी के लिए इंजन निर्माण के इतने महत्वपूर्ण कार्य में शामिल पूरी ईएफए टीम को मेरी शुभकामनाएं। जय हिन्द। क्षमताएँ

आओ हिन्दी/तमिल सीखें अब

हिन्दी शब्द	अंग्रेजी उच्चारण	अंग्रेजी अर्थ	समानार्थी तमिल शब्द	तमिल शब्द का हिन्दी उच्चारण
अध्यक्ष	Adhyaksh	Chairman	தலைவர்	तलैवर
निदेशक	Nidheshak	Director	இயக்குநர்	इयक्कुनर
बैठक	Baittak	Meeting	கூட்டம்	कूट्टम्
संगणक	Sanganak	Computer	கணினி	कणिनि
राष्ट्र	Raashtra	Nation	நாடு	नाडु
लोकहित	Lokhith	Public Interest	பொதுநலம்	पोदु नलम
होशियार	Hoshiyaar	Clever	புத்திசாலி	बुद्धिसाली
हँसी	Hansee	Laugh	சிரிப்பு	सिरिप्पु
हिचक	Hichak	Hesitation	தயக்கம்	तयक्कम्
स्मृति	Smrithi	Commemoration	நினைவு	निनैवु

स्थापना दिवस समारोह



रुसी प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक



खेल समाचार

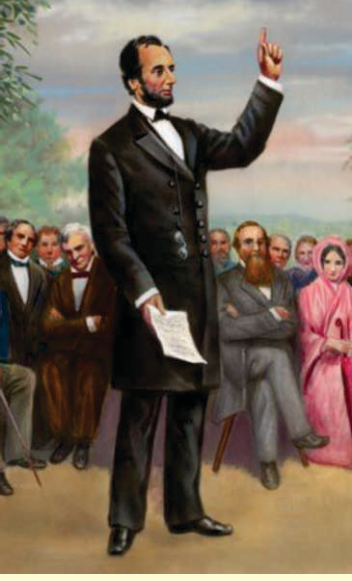
सितंबर 2023 में "एवीएनएल चेयरमेन कप" के शीर्ष में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इंजिन समाचार की ओर से हार्दिक बधाई।



गुणता माह का आयोजन



मजदूरी का कोई विकल्प नहीं உழைப்புக்கு மாற்று இல்லை



अमेरिका के राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन के पास एक नौजवान आया, जो बेकारी के कारण भीख मांगने को सोच चुका था। उसने लिंकन से आर्थिक सहायता मांगी। उसने कहा—मैं गरीब हूँ। ईश्वर ने मुझे कुछ भी तो नहीं दिया है, दया करें। लिंकन ने उसकी तरफ ऊपर से नीचे तक देखा। उन्होंने

कहा—ठीक है, मैं तुम्हें दो हजार डालर दे सकता हूँ। तुम अपने पैर मुझे दे दो। युवक बोला—राष्ट्रपतिजी, पैर तो मैं नहीं दे सकता, क्यों कि फिर मैं चलूँगा कैसे?

लिंकन बोले—अच्छा, यदि पैर नहीं दे सकते हो तो अपने दोनों हाथ मुझे दे दो। मैं तुम्हें दस हजार डालर देता हूँ। युवक बोला, “सर, दस हजार तो क्या, यदि कोई मुझे पचास हजार डालर दे तो भी मैं अपने हाथ उसे नहीं दे सकता। हाथ कटवाने पर फिर मेरे पास रह ही क्या जाएगा।” लिंकन अब थोड़ा मुस्कुराए। उन्होंने कहा, “अच्छा ठीक है, पैर नहीं दे सकते, न दो। हाथ नहीं दे सकते, न दो। ऐसा करो कि अपनी दोनों आँखें दे दो। मैं तुम्हें अभी एक लाख डालर नकद दिलवा देता हूँ।” युवक ने कहा, “महामहिम, आप भी कैसी बातें करते हैं—कभी पैर माँगते हैं, कभी हाथ माँगते हैं और कभी आँखें माँगते हैं। इनकी कीमत डालरों में आँकते हैं। क्या कोई अपने हाथ, पैर और आँखें दे सकता है। यदि मैं अपनी आँखें दे दूँगा तो अंधा नहीं हो जाऊँगा।

अब की बार लिंकन ठहाका मारकर हँसे और बोले, “देखो युवक, जब प्रभु ने तुम्हें इतनी कीमती चीजें दी हैं तो तुम गरीब कैसे हुए? क्या तुम्हें यह कहना शोभा देता है कि तुम्हारे पास कुछ भी नहीं है? जाओ, मेहनत—मजदूरी करो। मैं स्वयं मजदूरी करता था। ये हाथ दया माँगने के लिए नहीं हैं। इन्हें या तो प्रभु की प्रार्थना में उठाओ या फिर दूसरों पर दया करने के लिए।”

அமெரிக்க அதிபர் திரு. ஆபிரகாம் லிங்கன் அவர்களிடம் இளைஞன் ஒருவன் வந்தான். அவன் வேலையில்லாத காரணத்தினால் பிச்சையெடுக்கவும் துணிந்து விட்டான். ஆபிரகாம்லிங்கன் அவர்களிடம் பொருளுதவி கேட்பதற்காக வந்தான். அந்த இளைஞன், ஐயா நான் மிகவும் ஏழை. இறைவன் எனக்கு எதுவுமே தரவில்லை. நீங்கள்தான் கருணை காட்ட வேண்டும் என்று இறைஞ்சினான். லிங்கன் அவனை மேலிருந்து கீழே வரை உற்று நோக்கினார். பிறகு, அவர், சரி, உனக்கு நான் 2000 டாலர் தருகிறேன். உன்னுடைய இரண்டு கால்களையும் எனக்குக் கொடுத்து விடு என்று கேட்டார். அந்த இளைஞன் திடுக்கிட்டு, ஐயா, கால்களை உங்களுக்கு கொடுத்து விட்டால் நான் எவ்வாறு நடப்பேன் என்று கூறினார்

அதற்கு லிங்கன் அவர்கள், சரி கால்களை கொடுக்க வேண்டாம். உன்னுடைய இரண்டு கைகளையும் கொடு. உனக்கு பத்தாயிரம் டாலர் தருகிறேன். அந்த இளைஞன் அய்யா, 10 ஆயிரம் அல்ல, 50 ஆயிரம் டாலர்கள் கொடுத்தாலும் சரி, நான் உன்னுடைய கைகளையும் தரவே மாட்டேன். கைகளை இழந்துவிட்டால் என்னிடம் என்ன இருக்கும் என்று கூறினான். லிங்கன் அவர்கள் முறுவலித்துவிட்டு, “சரி நீ கால்களைத் தர முடியாதென்றாலும் சரி, கைகளைத் தர முடியாதென்றாலும் சரி, உனக்கு ஒரு லட்சம் டாலர் பணம் தரச் சொல்கிறேன். உன் இரண்டு கண்களை என்னிடம் கொடுத்து விடு” என்று கேட்டார். அந்த இளைஞன், ஐயா, நீங்கள் என்ன பேசுகிறீர்கள், கால்களைக் கொடு, கைகளைக் கொடு அல்லது கண்களைக் கொடு என்று கேட்கிறீர்கள். இதன் மதிப்பை டாலர்களைக் கொண்டு கணக்கிடுகிறீர்கள். கண்களை இழந்து விட்டால் நான் குருடனாகி விடமாட்டேனா? என்று கலங்கினான்.

அப்பொழுது, லிங்கன் அவர்கள் பலமாகச் சிரித்தார். அவர், இளைஞனே, இறைவன் உனக்கு இவ்வளவு விலையுயர்ந்தவைகளைக் கொடுத்திருக்கும் போது நீ எப்படி ஏழையாக முடியும்? உன்னிடம் எதுவுமே இல்லை என்று கூறுவது உனக்கு அழகாகுமா? போ, வேலை தேடி, கடினமாக உழை. நானும் கடினமாக உழைத்து வேலை செய்தவன்தான். இந்த கைகள் மற்றவர்களிடம் இரந்து வாழ்வதற்காகத் தரப்படவில்லை. இந்த கைகளை இறைவனிடம் பிரார்த்தனை செய்வதற்காக நீட்டு அல்லது மற்றவர்களுக்குக் கருணை காட்டுவதற்காக நீட்டு. என்று அறிவுரை கூறினார்.

